

ॐ

वर्ष-11, अंक-9, 1-15 मई, 2026 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये

कुल पृष्ठ 40

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

THRIVE 2026

Technology • Global Health • Sustainability

Rethinking Progress

A Conference harnessing
Technology in Science,
Innovation and values in an
age of AI and technology

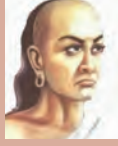


इस अंक में पढ़ें—

अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा, संघ का वैश्विक दृष्टिकोण, मतदान का महा-रिकॉर्ड, प्रधानमंत्री ने की मन की बात, 'आप' का संकट और उभरते नए समीकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक विश्लेषण, मोदी सरकार दे रही अनेक योजनाओं का लाभ, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और बिहार राज्य से विशेष रिपोर्ट साथ ही पढ़ें बाल साहित्य, देश-विदेश की प्रमुख खबरें और सभी स्थायी स्तंभ।



क्रोध आने पर चिल्लाने के लिए ताकत नहीं, चुप रहने के लिए ताकत चाहिए—आचार्य चाणक्य



चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 11, अंक : 9, 1-15 मई, 2026



अनुक्रम

- 05 सम्पादक के नाम पत्र
- 06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

- 07 संघ का वैश्विक दृष्टिकोण : डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी
- 10 मतदान का महा-रिकॉर्ड : योगेश कुमार गोयल
- 12 'मन की बात' में प्रधानमंत्री का बड़ा संदेश : आर.पी. तोमर
- 15 'आप' का संकट और उभरते नए समीकरण : श्वेता गोयल
- 17 एक विश्लेषण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : पंकज सिन्हा
- 20 मोदी सरकार दे रही अनेक योजनाओं का लाभ : डॉ. प्रेरणा चतुर्वेदी



नई दिल्ली कार्यालय

मुख्यालय :

'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर,

नई दिल्ली-110059

कॉरपोरेट कार्यालय :

321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2,

सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077

सम्पर्क : 09871909808, 08571841127

ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय

252, खिल्ला कॉलोनी, कालका

पंचकुला, हरियाणा-133302

सम्पर्क : 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय

116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार

निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001

सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय

13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट,

चेन्नई-600 079

सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक

डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)

कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय

लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल

पद्मश्री डॉ. (स्व.) श्यामसिंह शशि

(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)

वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल

सम्पादक : डॉ. अमित जैन

कार्यकारी सम्पादक : आर.पी. तोमर

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक

स्व. घनराज भास्वी

(वरिष्ठ पत्रकार-रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

दिलीप बैनर्जी, कोलकता

आर्थिक सलाहकार मंडल

सी.ए. मन्नेश्वर कर्ण

सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल

अभिषेक त्रिपाठी, आयरलैंड

कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल

अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)

योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)

अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी

उत्तर क्षेत्र प्रभारी- विशाल शर्मा, चंडीगढ़

पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी- राजीव अगस्ती, गुवाहाटी

दक्षिण क्षेत्र प्रभारी- नवरतन पींचा जैन, चेन्नई

पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी- आशा सिंह देवासी, मुंबई

पूर्वी क्षेत्र प्रभारी- प्रकाश बेताला, भुवनेश्वर

असम प्रभारी- दीक्षित हजारीका, तिनसुकिया

तमिलनाडु प्रभारी- जे.पी. ललवानी, चेन्नई

उत्तर प्रदेश प्रभारी- इंदुभाल त्रिपाठी, प्रयागराज

पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी- अंकित जैन, मेरठ



राज्यों से

- 23 हरियाणा—नायब सरकार नारी वंदन के लिए प्रतिबद्ध : विशाल शर्मा
25 जम्मू-कश्मीर—स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न : रमेश गुप्ता
27 बिहार—वीरायतन की आचार्य पद्मश्री चंदना को वंदना: डॉ. दिलीप धींग

बाल साहित्य

- 29 दादी का इंटरनेट : अखिलेश श्रीवास्तव चमन

चिंतन

- 33 आचार्य चाणक्य ने बताया समय का मूल्य : रमेश चन्द्र जैन

समाचार जगत

- 30 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा
31 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन
32 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन
33 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीव अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह
34 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण
35 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट
36 आर्थिक जगत : हेमन्त उपाध्याय

जॉब अलर्ट

- 37 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन



देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य व्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्वर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश दास, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
रतन सूत्रधार, अगरतला, त्रिपुरा
तुबन राँवा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हनुमंत जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी

अरुण लक्ष्मण, तिरुवनंतपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
प्रफुल्ल कुमार दाश, भुवनेश्वर, ओडिशा
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला व्यूरो चीफ
अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका माँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा chanakyavarta@gmail.com पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा. लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रॉनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : अमित जैन।

आवरण व लेआउट : स्वपन कम्प्यूनिकेशन, दिल्ली

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

विश्व प्रसिद्ध पत्रिका चाणक्य वार्ता के 16 से 30 अप्रैल, 2026 के अंक में आर.पी. तोमर का लेख पढ़ा। उक्त लेख में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कहा कि उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और पार्टी उनकी माँ है। पीएम का यह कहना सही साबित होता है कि देश की जनता का भरोसा भारतीय जनता पार्टी पर बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि राज्यों में भाजपा की सरकारों का विस्तार हो रहा है। ये प्रधानमंत्री की महानता का ही प्रतीक है कि वे पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की तारीफ करते हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को विशाल और पवित्र वटवृक्ष बताते हैं। लेखक ने अन्य बहुत सटीक जानकारी अपने इस लेख में दी है उसके लिए उनका व पत्रिका के सम्पादक मण्डल का साधुवाद।

राज बहादुर सिंह
सेवानिवृत्त, अधीक्षण अभियंता, देहरादून

अंतरराष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका चाणक्य वार्ता का 16 अप्रैल का अंक पढ़ा। सदैव की भांति इस अंक में संपादक की कलम से डॉ. अमित जैन ने ईरान व अमेरिका के बीच युद्ध विराम पर लिखा है। संपादक जी ने वास्तव में यह लिखकर दूरदर्शिता का ही परिचय दिया है कि युद्ध विराम पर संशय है, क्योंकि दोनों ही अपनी-अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। सभी जानते हैं कि समझौते में दोनों ही पक्षों को झुकना पड़ता है। डंडा लेकर समझौता संभव नहीं है। दोनों को ही समझदारी से काम लेने की जरूरत है।

डॉ. अमित बंसल,
झज्जर, हरियाणा

सब जानते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरी तरह से राष्ट्र सेवा को समर्पित है। चाणक्य वार्ता के 16 से 30 अप्रैल 2026 के अंक में संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार के पैतृक गांव कन्दकुरथी में 'श्री केशव स्फूर्ति मंदिर' के भव्य लोकार्पण की खबर पढ़ी। इसमें सरसंघचालक मोहन भागवत जी ने कहा है कि इस केन्द्र से देशभक्ति की स्फूर्ति मिलेगी। हेडगेवार जी ने वास्तव में

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'



देश को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में जो देशभक्त संस्था दी है, उसकी निःस्वार्थ कार्य योजना एवं भाव को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। श्री भागवत का यह कथन सही है कि इस स्मारक से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और उनके योगदान व विचारों को याद रखा जाएगा।

इंजी. संजय सिंघानिया,
रांची, झारखंड

चाणक्य वार्ता के 16 अप्रैल, 2026 के अंक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार जी के प्रमुखजन गोष्ठी कार्यक्रम की खबर पढ़ने को मिली। संघ के बटाला (पंजाब) में हुए इस कार्यक्रम में श्री अरुण कुमार ने सटीक ही कहा है कि संघ हमेशा से ही समाज की आवश्यकताओं के समय उसके साथ खड़ा रहा है, चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो, हिन्दू समाज की रक्षा का प्रसंग हो या दो विधान, दो प्रधान और दो निशान का विरोध हो। उनका यह कहना भी उचित है कि संघ का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण ही है। मेरा भी मानना है कि संघ में देशभक्ति कूट-कूटकर भरी है।

प्रो. नरसिंह रघु
चंडीगढ़

मुझे पटना से दिल्ली आना था। रास्ते में समय काटने के लिए स्टेशन पर स्थित बुक स्टाल पर पहुंचा। जहाँ मेरी नजर हिंदी की पाक्षिक पत्रिका चाणक्य वार्ता पर पड़ी। मैंने रेलवे स्टेशन, पटना से इसे खरीदकर रास्ते में पढ़ा। कब दिल्ली आ गया मुझे पता ही नहीं चला। पत्रिका में सभी लेख रुचिकर व ज्ञानप्रद थे। इसी में 'बिहार में भाजपा 'राज', सम्राट को ताज' लेख भी पढ़ा। यह मृत्युंजय झा ने लिखा है। लेखक की भाषा

शैली उत्तम लगी। वहीं पत्रिका में जितनी सामग्री दी गई है वह सभी सराहनीय व उत्तम कोटि की है।

शैलेश प्रसाद सिंह
सहायक प्रबंधक, रिलायंस पावर, पटना

चाणक्य वार्ता के 16 अप्रैल के अंक में मध्य प्रदेश सरकार की स्टोरी 'राज्य के विकास में तत्पर मोहन सरकार' पढ़ी। विनोद कुशवाह द्वारा लिखित इस लेख में भाजपा सरकार द्वारा राज्य के विकास एवं लोगों के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया गया है। वास्तव में भाजपा सरकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। शिवराज चौहान के बाद आई डॉ. मोहन यादव की सरकार ने भी विकास की धुरी को घुमा रखा है।

मधु कुमारी,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, भोपाल, मध्यप्रदेश

वैसे तो मैं अंतरराष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका चाणक्य वार्ता का नियमित पाठक हूँ। लेकिन इस बार का 16 अप्रैल 2026 का अंक पढ़कर मेरे मन में संपादक को पत्र लिखने की जिज्ञासा हुई। हमेशा की तरह से पत्रिका का यह अंक भी रुचिकर है। इस अंक में मुझे पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी का यह संबोधन अत्यंत प्रभावशाली लगा, जिसमें उन्होंने कहा कि पूरे भारत की संस्कृति एक है। उन्होंने अलग-अलग कार्यक्रमों में जहाँ उत्तराखंड की पहचान को बनाये रखा, वहीं देश को भी महत्व दिया है। उनका वक्तव्य वास्तव में गर्वीला है। 'भगत दा' भी योग्य पुरुष एवं महान व्यक्तित्व के धनी हैं।

विजय शर्मा
द्वारका, नई दिल्ली

यूएस में बढ़ती राजनीतिक हिंसा, दुनिया का 'नंबरदार' निशाने पर



विश्व शक्ति अमेरिका के वाशिंगटन में घटी ताजा घटना ने एक बार फिर अमेरिका की राजनीति में हिंसा की गहरी जड़ों को उजागर किया है। व्हाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज ने माहौल को दहला दिया। यह कार्यक्रम वाशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित हो रहा था, जहां देश की राजनीति, मीडिया और मनोरंजन जगत के प्रमुख लोग एकत्रित थे। इस अप्रत्याशित हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उपराष्ट्रपति जे.डी बेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना ने अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में हिंसा की पुरानी यादों को भी ताजा कर दिया है।

इससे पहले जुलाई 2024 में पेसिल्वेनिया के बटलर नामक छोटे शहर में चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर आठ गोलीयां चलाई गई थीं। इसमें ट्रंप के कान को हल्की चोट लगी थी, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के गोल्फ क्लब के पास भी एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार के साथ पकड़ा गया था, जिसे हत्या की साजिश के रूप में देखा गया। अक्टूबर में कैलिफोर्निया में एक और संदिग्ध व्यक्ति को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था, जिसने ट्रंप की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया था। वैसे तो अमेरिका का इतिहास राजनीतिक हिंसा से अछूता नहीं रहा है। 1865 में अब्राहम लिंकन की हत्या से लेकर 1963 में जॉन एफ केनेडी की हत्या तक कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन्होंने अमेरिका की लोकतांत्रिक नींव को झकझोर दिया। लिंकन और केनेडी के अलावा जेम्स गारफील्ड

और विलियम मैकिनले भी ऐसे राष्ट्रपति रहे जिन्हें पद पर रहते हुए गोली मार दी गई थी। थियोडोर रूजवेल्ट पर 1912 में एक व्यक्ति ने गोली चलाई थी, लेकिन वह बच गए थे। 1981 में रोनाल्ड रीगन पर वाशिंगटन में एक हमलावर ने गोली चलाई थी। माना जाता है कि रीगन पर हमला अमेरिका के एक अशांत दौर का अंत था, जिसमें रॉबर्ट केनेडी और मार्टिन लूथर किंग जैसे नेताओं की हत्या शामिल थी। लेकिन इसके बाद भी राजनीतिक हिंसा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति फिर से उभरती दिखाई दे रही है।

2021 में कैपिटल भवन पर हमला, उग्रवादी सशस्त्र समूहों का बढ़ता प्रभाव और विभिन्न राजनीतिक हस्तियों पर हमले इस बढ़ती अस्थिरता के संकेत हैं। 2017 में रिपब्लिकन सांसदों पर गोली चलाई गई, जिसमें कई लोग घायल हुए। 2022 में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ, जबकि एक अन्य हमलावर ने विस्कॉन्सिन में एक न्यायाधीश की हत्या कर दी। मिशिगन की गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर के अपहरण की साजिश और सैन फ्रांसिस्को में नैन्सी पेलोसी के पति पर हमला भी इस हिंसक माहौल को दर्शाते हैं। हाल ही में यूटा में एक राजनीतिक नेता चार्ली किर्क की हत्या ने इस प्रवृत्ति को और गंभीर बना दिया है। इन सभी घटनाओं को देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका एक बार फिर राजनीतिक हिंसा के खतरनाक दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप पर लगातार हमले इस बात का संकेत हैं कि देश में राजनीतिक ध्रुवीकरण और असंतोष चरम पर है। सवाल खड़े होते हैं कि दुनिया का नंबरदार कहे जाने वाला

अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों है? डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण भी हो सकता है। अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है—चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया की। ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है।

अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को “रक्षात्मक” या असुरक्षित दिखा सकते हैं। ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क तथा कभी-कभी असुरक्षित दिख सकता है। अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश उसे चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की “नंबरदार” वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। ट्रंप की राजनीति में “हम बनाम वे” का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक, ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके।

आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और आम नागरिकों के पास बड़ी संख्या में हथियार हिंसा को बढ़ावा देते हैं। ट्रंप पर लगातार हमले बताते हैं कि अमेरिका राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। यदि बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं हुआ तो अमेरिका की राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक नेतृत्व दोनों प्रभावित हो सकते हैं। आज स्थिति यह है कि देश का राष्ट्रपति भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा।

—डॉ अमित जैन



संघ का वैश्विक दृष्टिकोण, हिंदुओं ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया: दत्तात्रेय होसबाले, सरकार्यवाह

डॉ. प्रवीण दत्तात्रेय गुणनानी



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अपने अमेरिका के दौरे में साफ कर दिया है कि हिंदुओं ने कभी किसी

देश पर आक्रमण नहीं किया। हिंदुओं ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया। हिंदुओं को किसी भी बात के लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है। वहीं उन्होंने वैश्विक दृष्टिकोण भी स्पष्ट किया। श्री दत्तात्रेय ने अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में हडसन यूनिवर्सिटी में एक चर्चा के दौरान आरएसएस को लेकर वर्षों से फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा के बारे में खुलकर बात की।

सरकार्यवाह श्री होसबाले ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लोगों का एक स्वैच्छिक आंदोलन है जो भारत के प्राचीन समाज की सांस्कृतिक परंपराओं और सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित है। इसे आम तौर पर हिंदू संस्कृति के नाम से जाना जाता है। ऐसे स्वयंसेवक तैयार करने के लिए जिनमें चरित्र, आत्मविश्वास तथा समाज की सेवा

का भाव हो और जो समाज को संगठित कर सकें, संघ रोजाना और हर हफ्ते एक घंटे की सभाएं आयोजित करता है।

हडसन यूनिवर्सिटी में चर्चा के दौरान श्री होसबाले ने कहा कि इन एक घंटे की बैठकों के जरिए हम जीवन के मूल्यों को लोगों में भरते हैं। समाज की भलाई और राष्ट्र की एकता के उद्देश्य से मानवीय सामाजिक पूंजी बनाने के लिए... संघ प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों जैसी सेवाएँ प्रदान करता है। संघ के स्वयंसेवकों ने लगभग 40 नागरिक संस्थाएं बनाई हैं। भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में पहचान और क्षेत्रीय तनावों को संघ किस नजरिए से देखता है इस पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए श्री होसबाले ने हिंदू पहचान की एक व्यापक व्याख्या पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संघ की नजर में हिंदू पहचान एक सभ्यतागत पहचान है न कि कोई धार्मिक पहचान। संघ ने हमेशा सांस्कृतिक लोकाचार और सभ्यतागत मूल्यों पर जोर दिया है जिनका किसी धर्म से सीधे तौर पर कोई लेना-देना नहीं है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में श्री दत्तात्रेय जी का व्याख्यान हुआ। जिसमें उन्होंने

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैश्विक दृष्टिकोण रखा।

तीन केलिफोर्निया कहावतें हैं-पहली: "Disrupt or be disrupted." "या तो बदलाव लाओ, या खुद बदलाव का शिकार बनो।"

दूसरी: "The best way to predict the future is to invent it." "भविष्य को जानने का सबसे अच्छा तरीका है, उसे स्वयं बनाना।"

तीसरी कहावत है, "If you're not embarrassed by your first product, you launched too late." "यदि आपको अपने पहले प्रयास पर झिझक नहीं हुई, तो आपने बहुत देर कर दी।"

केलिफोर्निया की तीन स्थानीय कहावतें और वहाँ के तीन प्रमुख नगर, इनसे हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के अमेरिका प्रवास को और विशेषतः स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दिए व्याख्यान को संबद्ध कर सकते हैं।

इन तीन केलिफोर्निया कहावतों और तीन केलिफोर्निया नगर-सेक्रेमंटो, लास एंजेलिस और स्टैनफोर्ड की चर्चित